विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ , लक्खीसराय

रूपम कुमारी , वर्ग-दशम् , विषय-हिन्दी-

दिनांक – १/६/२०

|| अध्ययन - सामग्री ||

जीवन-धारा.....

रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा है- " केवल खड़े होकर पानी को ताकते रहने से आप नदी को पार नहीं कर सकते , बल्कि उसमें उतर कर ही हम पैर उतर सकते हैं ।

इसलिए, हम यह प्रार्थना ना करें कि हमारे ऊपर समस्या ना आए बल्कि या प्रार्थना करें कि हम उनका सामना निडरता से करें ।

वार्तालाप: कल की कक्षा में हमने कर्मवाच्य को कुछ हद तक जाना । आज हम कर्मवाच्य

तथा भाववाच्य को समझने का प्रयास करेंगे ।

पठन -पाठन

- *कर्मवाच्य में कर्ता की असमर्थता सूचित करने वाले वाक्य भी होते हैं । इसमें कर्ता के साथ से या के द्वारा लगता है । क्रिया के साथ निषेधात्मक शब्द नहीं का प्रयोग होता है । जैसे –*
- *मुझसे यह दृश्य देखा नहीं जाएगा ।*
- *मुझसे यह काम नहीं हो सकेगा ।*

सकर्मक क्रिया से व्युत्पन्न अकर्मक क्रिया वाले वाक्य भी सकर्मक होते हैं । जैसे –

- *दरवाजा खुल गया ।*
- *गिलास टूट गया ।*

खुलना और टूटना अकर्मक क्रिया है लेकिन खोलना और जो कि सकर्मक क्रिया है से व्युत्पन्न हुआ है। अतः इस तरह के उदाहरण को भी हम कर्मवाच्य के उदाहरण में रखेंगे ।

भाववाच्य– जिस वाक्य में कर्ता और कर्म की प्रधानता ना होकर भाव की प्रधानता होती है । भाववाच्य क्रिया एक निश्चित नियम से आबद्ध होती है , वह हमेशा एक वचन पुं० और अन्य पुरुष में रहती है । जैसे –

मुझसे चला नहीं जाता ।

उससे चला नहीं जाता । इसमें चलना और सोना अकर्मक क्रिया है जो कि एक वचन पुल्लिंग तथा अन्य पुरुष में है ।.

- ***गृहकार्य :.***
- ***दी गई सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझने का प्रयास करें ।***
- ***जहां असमंजस की स्थिति आती है तो संबंधित ग्रुप पर सवाल करने से सकुचाए नहीं ।***
- ***भाव वाच्य से संबंधित किन्हीं पांच से 7 वाक्यों का निर्माण करें ।***

अतिरिक्त : आज हिन्दी फिल्म की बेहतरीन अदाकारा नरगिस दत्त का जन्मदिन है । जिसने मदर इंडिया जैसी बेहतरीन फिल्म में यादगार भूमिका अदा कीं ।

धन्यवाद !